AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : संस्कृति सुरभि में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

स्रोत: लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में चल रहे खेलों के महाकुंभ संस्कृति सुरभि के दूसरे दिन भी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दौड़ प्रतियोगिता के साथ हुई, इसमें बड़ी संख्या में धावकों ने अपना दम दिखाया। हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सम सामयिक विषयों पर वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपने तर्क रखे। वहीं ज्यूरिश हॉल में एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पचास से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक प्रो. ललित श्रीवास्तव रहे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक, प्रतियोगिताओं के क्रम में सृजनात्मक लेखन, युगल नृत्य, फुटबॉल, वॉलीबॉल, दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें 300 से अधिक छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के निदेशक प्रो सतीश चंद्र, अध्यक्ष प्रो. उग्रसेन वर्मा, विधि संकाय अधिष्ठिता प्रो. बीडी सिंह, कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि के छात्र भीष्म चौधरी जाएंगे विदेश

लखनऊ। लखनऊ विवि के बीएससी पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थी भीष्म चौधरी को तीन देशों इंडोनेशिया, जापान और सिंगापुर जाने का मौका मिला है। वह राष्ट्रीय कैडेट कोर की ओर से इसके लिए चुने गए हैं। भीष्म एनसीसी के नेवल विंग में कैडेट हैं और हबीबुल्लाह छात्रावास के अंतःवासी हैं। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्रोक्टर प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री ने छात्र को शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

'ऐतिहासिक शोध विधि' पर हुई चर्चा

स्रोत: स्वयं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में बुधवार को 'ऐतिहासिक शोध विधि' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बीबीएयू में स्कूल ऑफ एजुकेशन के डीन प्रो. राजशरण शाही रहे। उन्होंने सामाजिक विज्ञानों में होने वाले शोध कार्यों में इसकी प्रासंगिकता एवं भारतीय शिक्षा में ऐतिहासिक अनुसंधान के उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रो. शाही ने ऐतिहासिक शोध के स्रोतों की चर्चा करते हुए लार्ड मैकाले के लिखित दो पत्रों का विवरण दिया जो ऐतिहासिक शोध में प्राथमिक स्रोत होते है। इसके साथ ही उन्होंने द्वितीयक स्रोतों को भी उदाहरणों के साथ विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में लविवि शिक्षाशास्त्र के डीन प्रो. दिनेश कुमार व विभाग के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चल रहे खेलों के महाकुंभ संस्कृति सुरभि के दूसरे दिन भी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। सुबह सात बजे दौड़ प्रतियोगिता के साथ शुरुआत हुई। कमेटी संयोजक देवेश यादव ने बताया कि वाद विवाद, सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता, युगल नृत्य, फुटबाल, वालीबाल, दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें लगभग 300 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

इसमें शिया पीजी कॉलेज, बीबीएयू, सिटी लॉ कॉलेज, एकेटीयू, बीबीडी, समेत कई अन्य कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं की वाद-विवाद में 120 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। एलयू स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र समेत अन्य मौजूद रहे।

PIONEER PAGE 3

द्वितीय परिसर में दौड़ प्रतियोगिता से हुई संस्कृति सुरभि की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चल रहे खेलों के महाकुम्भ संस्कृति सुरभि के दूसरे दिन बुधवार को भी छात्रों में काफी चहल-पहल रही। सुबह सात बजे दौड़ प्रतियोगिता के साथ ही प्रतिस्पर्धाओं के दंगल संस्कृति-सुरभि की शुरूआत हुई। जानकीपुरम स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के खेल-परिसर में सुबह से ही प्रतियोगी एकत्रित हो रहे थे।

प्रतियोगिताओ के दंगल में आज हिंदी और अंग्रेजी भाषा में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे 120 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया एवं जमकर अपनी वाक-कौशल का पर्दशन किया। हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक विधि संकाय के प्रोफेसर डा कौशलेन्द्र सिंह और प्रो. शशिप्रभा ने किया। वही प्रोफेसर कुलवंत सिंह और प्रो. रुपम लाल अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। प्रोफेसर कौशलेन्द्र सिंह प्रतिभागियों के प्रयास से काफी प्रसन्न दिखे एवं अपने सम्बोधन में कहा कि जीवन में वाक कौशल का एक अलग महत्व है, जो हमें धैर्य और संतुलन सिखाती है। साथ ही कहा की ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के मेधा एवं तर्क-शक्ति को और सुदृढ़ करती है।

वही ज्यूरिश हाल में एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे पचास से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोज्ललित श्रीवास्तव रहे। कमेटी के सयोजक देवेश यादव ने बताया कि संस्कृति सुरभि के द्वितीय परिसर में वाद विवाद, सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता,युगल नृत्य, फुटबाल, वालीबाल, दौड़ जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे लगभग 300 से अधिक छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

आज शिया पीजी कॉलेज, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सिटी लॉ कॉलेज, अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध पीजी कॉलेज सहित लखनऊ के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षणसंस्थानों के बच्चे अपनी अपनी जीत के लिए संघर्षरत दिखे। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के निदेशक प्रो सतीश चंद्र, अध्यक्ष प्रो उग्रसेन वर्मा विधि संकाय अधिष्ठिता प्रो बीडी सिंह, कुलानुशासक प्रो मोहम्मद अहमद,स्पोर्ट्स इंचार्ज अनुराग श्रीवास्तव एवं अन्य प्रोफेसर समय समय पर आयोजन के संबंध में अनुशासन एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए गश्त करते रहे। रिपोर्ट लिखे जाने तक खेल मैदान में स्पर्धा जारी थी, जीत-हार का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। कमेटी के निदेशक प्रो सतीश चंद्र ने बताया क़ल प्रतियोगिता के दूसरे दिन कविता पाठ युगल गायन , युगल नृत्य फुटबाल, सहित 8 से अधिक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन होना निर्धारित है।

लविवि ने अनाधिकृत कब्जे से मुक्त कराई 1,35,000 वर्ग फिट जमीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर बुधवार को विवि प्रशासन ने अनाधिकृत कब्जे से 1,35,000 वर्ग फिट जमीन मुक्त कराने में सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय द्वारा मुक्त करायी गयी भूमि के सदुपयोग की योजना बनायी जा रही है।

104 वर्ष पुराने एवं लगभग 147 एकड़ जमीन पर लखनऊ शहर के बीच में बने लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से है। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय में सीमित विषयों का अध्यापन कराया जाता था। परन्तु वर्तमान में विभिन्न संकायों एवं विभागों तथा छात्रों की संख्या में अत्याधिक वृद्धि हुई है। किन्तु विश्वविद्यालय परिसर के स्थान की वृद्धि नहीं हो सकी। बल्कि अनेक आवासीय एवं कार्यालयी भवनों के निकट रिक्त स्थानों पर अस्वीकृत एवं अनियोजित तथा स्वनिर्मित आवासीय संरचनाओं का निर्माण अनेक अवकाश प्राप्त कर्मचारियों व अन्य बाहरी व्यक्तियों द्वारा कर लिये गये थे और वे वर्षों से लविवि की जमीन पर काबिज थे। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय ने परिसर के ऐसे अनाधिकृत कब्जों को चिंहित कर, वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों को नवीन आवासों में स्थानांतरित किया गया तथा अनाधिकृत रूप से रह रहे व्यक्तियों को परिसर से बाहर कर अस्वीकृत तथा अनाधिकृत निर्मित निर्माण को समाप्त करके वर्षों से कब्जा की हुई करीब 1,35,000 वर्ग फिट भूमि को कब्जामुक्त कराया। लविवि द्वारा कब्जामुक्त करायी गयी भूमि के सदुपयोग की योजना बनायी जा रही है। उक्त संपूर्ण जानकारी लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी।

अंत:वासी छात्र का इंडोनेशिया, जापान और सिंगापुर के लिए चयन

लखनऊ विश्वविद्यालय के हबीबुल्लाह छात्रावास के अंत:वासी बीएससी सेमेस्टर 5 के छात्र भीष्म चौधरी का चयन राष्ट्रीय कैडेट कोर की तरफ से इंडोनेशिया, जापान और सिंगापुर जाने के लिए किया गया है। वर्तमान में वह लखनऊ विश्वविद्यालय का एनसीसी के नवल विंग के कैडेट भी है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

इंडोनेशिया, जापान व सिंगापुर जाएगा लविवि का छात्र

कुलपति के साथ भीष्म चौधरी

अमृत विचार,लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी सेमेस्टर पांच के छात्र भीष्म चौधरी को राष्ट्रीय कैडेट कोर की तरफ से इंडोनेशिया, जापान और सिंगापुर जाने का अवसर प्राप्त हुआ है। वह लखनऊ विश्वविद्यालय का एनसीसी के नवल विंग का कैडेट भी हैं। आज कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो आलोक कुमार राय ने उसके इस उपलब्धि के लिए उसे बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जंतु विज्ञान में सिनाप्सिस प्रस्तुतीकरण नौ और 10 को

जासं ● लखनऊ : लवि के जंतु विज्ञान विभाग ने सत्र 2023-24 के प्री पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा उतीर्ण शोधार्थियों का सिनाप्सिस प्रस्तुतीकरण नौ व 10 दिसंबर को विभागीय शोध समिति के समक्ष सुबह 10 बजे से होगा। विभागाध्यक्ष एम सेराजुद्दीन ने बताया कि शोधार्थियों को अपनी सिनाप्सिस दो प्रतियों में सात दिसंबर तक कार्यालय में जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि बी.एससी प्रथम सेमेस्टर जंतु विज्ञान विभाग के छूटे हुए विद्यार्थियों का इंटरनल असिस्मेंट चार और पांच दिसंबर को होगा। इसकी समय सारिणी जारी की। वहीं, एम.एससी जंतु विज्ञान प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 11 व 13 दिसंबर को होगी।

विद्यार्थियों ने एकल गायन व नृत्य में दिखाया हुनर

जासं ● लखनऊ : लवि के द्वितीय परिसर में चल रहे खेलों के महाकुंभ संस्कृति सुरभि में बुधवार को भी कई प्रतियोगिता हुईं, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया। सुबह सात बजे दौड़ प्रतियोगिता के साथ इसकी शुरुआत हुई। दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं में वीवोएयू, शिया पीजी कालेज, एकेटीयू सहित कई संस्थानों की टीम शामिल हुईं। हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें 120 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी वाक-कौशल का प्रदर्शन किया। ज्यूरिस हाल में एकल गायन प्रतियोगिता हुई।

इसमें पचास से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। कमेटी के संयोजक देवेश यादव ने बताया कि संस्कृति सुरभि के दूसरे दिन वाद-विवाद, सृजनात्मक लेखन, युगल नृत्य, फुटबाल, वालीबाल, दौड़ सहित कई प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें 300 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र ने बताया कि गुरुवार को कविता पाठ, युगल गायन, युगल नृत्य, फुटबाल सहित आठ से अधिक प्रतियोगिताएं होंगी।

भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे भीष्म चौधरी

भीष्म चौधरी के ओवरसीज डिप्लोयमेंट आनबोर्ड कोस्ट गार्डशिप (ओएसडी) कैंप के चयनित होने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र को बधाई दी। साथ में डा. महेंद्र अग्निहोत्री भी उपस्थित रहे ● लखनऊ विश्वविद्यालय

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय ने हटाया अवैध कब्जा

LUCKNOW (27 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्षों से मुख्य परिसर में अवैध रूप से कब्जा किए गए भवनों और संरचनाओं को ध्वस्त कर लगभग 1.35 लाख वर्गफीट जमीन को कब्जा मुक्त कर लिया है. कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों और बाहरी व्यक्तियों ने परिसर के खाली स्थानों पर अस्वीकृत और अनियोजित आवासीय संरचनाएं बना ली थीं. अब भूमि का सदुपयोग किया जाएगा.

कोर्सों का कैलेंडर जारी

लखनऊ : लवि ने अपने स्नातक और परास्नातक आनलाइन पाठ्यक्रमों के पहले सेमेस्टर की पढ़ाई के लिए सत्र 2024-25 का एकेडमिक कैलेंडर निर्धारित कर दिया है। रटडी मटीरियल एक दिसंबर को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। उसी दिन से छात्र-छात्राओं की यूनिट-वन की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि इंडक्शन प्रोग्राम में प्रवेशित छात्रों को एकेडमिक कैलेंडर के विषय में विस्तृत जारी दे दी गई है। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

शोधकार्यों में प्रासंगिकता एवं ऐतिहासिक अनुसंधान के उद्देश्यों पर हुई चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में बुधवार को 'ऐतिहासिक शोध विधि' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजशरण शाही, विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष , स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर किया।

प्रोफ़ेसर राजशरण शाही ने 'ऐतिहासिक शोध विधि' की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक विज्ञानों में होने वाले शोधकार्यों में इसकी प्रासंगिकता एवं भारतीय शिक्षा में ऐतिहासिक अनुसंधान के उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रोफ़ेसर राजशरण शाही ने ऐतिहासिक शोध के स्रोतों की चर्चा करते हुए लार्ड मैकाले द्वारा लिखित दो पत्रों का विवरण दिया जो ऐतिहासिक शोध' में प्राथमिक स्रोत होते है। इसके साथ ही साथ प्रोफ़ेसर शाही ने द्वितीयक स्रोतों को भी उदाहरणों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की।

व्याख्यान के अंत में शोधार्थियो द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरलता से प्रोफ़ेसर राजशरण शाही ने उत्तर दिया एवं ऐतिहासिक शोध विधि' से सम्बंधित शंकाओं का समाधान किया गया। प्रोफ़ेसर राजशरण शाही का धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शोधार्थी सना नाहिद द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डाक्टर नीतू सिंह तथा सह-संयोजक डाक्टर सूर्यनारायण गुप्ता के साथ विभाग के शिक्षकगण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

लविवि ने कब्जामुक्त करायी भूमि

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। 104 वर्ष पुराने और करीब 147 एकड़ जमीन पर शहर के बीच स्थापित लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में है। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय में सीमित विषयों का अध्यापन कराया जाता था, परन्तु वर्तमान में विभिन्न संकायों एवं विभागों तथा छात्रों की संख्या में अत्याधिक वृद्धि हुई है। किन्तु विश्वविद्यालय परिसर के स्थान की वृद्धि नहीं हो सकी। बल्कि अनेक आवासीय एवं कार्यालयी भवनों के निकट रिक्त स्थानों पर अस्वीकृत एवं अनियोजित तथा स्वनिर्मित आवासीय संरचनाओं का निर्माण अनेक अवकाश प्राप्त कर्मचारियों व अन्य बाहरी व्यक्तियों द्वारा कर लिये गये थे और वे वर्षों से लविवि की जमीन पर काबिज थे। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय ने परिसर के ऐसे अनाधिकृत कब्जों को चिंहित कर, वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों को नवीन आवासों में स्थानांतरित किया गया तथा अनाधिकृत रूप से रह रहे व्यक्तियों को परिसर से बाहर कर अस्वीकृत तथा अनाधिकृत निर्मित निर्माण को समाप्त करके वर्षों से कब्जा की हुई करीब 1,35,000 वर्ग फिट भूमि को कब्जामुक्त कराया। लविवि द्वारा कब्जामुक्त करायी गयी भूमि के सदुपयोग की योजना बनायी जा रही है। उक्त संपूर्ण जानकारी लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी।

लॉर्ड मैकाले के पत्रों पर हुई परिचर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा शास्त्र विभाग में ऐतिहासिक शोध विधि विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विवि के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजशरण शाही ने ऐतिहासिक शोध के स्रोतों की चर्चा की। उन्होंने लार्ड मैकाले द्वारा लिखित दो पत्रों का विवरण दिया, जो ऐतिहासिक शोध में प्राथमिक स्रोत होते है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने ध्वस्त किए अवैध निर्माण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा करके निर्माण किए भवनों को ध्वस्त कर दिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय लगभग 147 एकड़ जमीन पर बादशाहबाग में स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय की जमीनों पर कुछ लोग कब्जा कर रह रहे थे। कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय ने कब्जे चिह्नित कर अनाधिकृत रूप से रह रहे लोगों को परिसर से बाहर कर दिया है। अस्वीकृत और अनाधिकृत भवनों को तोड़कर 1,35,000 .00 वर्ग फीट भूमि खाली कराई गई।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू छात्र जाएगा इंडोनेशिया,जापान व सिंगापुर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी सेमेस्टर 5 का छात्र भीष्म चौधरी

छात्र की इस उपलब्धि के लिए कुलपति ने बधाई दी

जोकि लविवि के हबीबुल्लाह छात्रावास में निवास कर रहा है। भीष्म चौधरी को राष्ट्रीय कैडेट कोर की तरफ से इंडोनेशिया, जापान और सिंगापुर जाने का मौका मिला है। भीष्म वर्तमान में लविवि एनसीसी के नवल विंग का कैडेट भी है। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने छात्र की इस उपलब्धि के लिए उसे बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

देश की इमारत चार स्तंभ पर खड़ी, बढ़ रहा विश्वविद्यालय का स्तर

लखनऊ,लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने पूरे जोश और उल्लास के साथ 75वां संविधान दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की।

अपने संबोधन में महाना ने संविधान के महत्व और संविधान निर्माताओं के महान योगदान के बारे में बताया। उन्होंने संविधान को बनाए रखने और कानून निर्माताओं के बीच संवैधानिक मूल्यों को संवेदनशील बनाने और उन्हें विकसित करने में अध्यक्ष की भूमिका के बारे में श्रोताओं को बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे उन्होंने विधान सभा के सदस्यों की कार्य संस्कृति और लोकाचार में ईमानदारी और शुचिता को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की है। राज्य के चौथे स्तंभ- प्रेस और मीडिया को एक मजबूत संदेश देते हुए, उन्हें राजनीतिक व्यवस्था और उसके पदाधिकारियों के प्रति अधिक सकारात्मक और आशावादी रवैया अपनाने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि मीडिया द्वारा नकारात्मक और अनुचित रिपोर्टिंग किसी भी चीज़ से अधिक नुकसान पहुंचाती है।

■ विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने इस अवसर पर उपस्थित होने तथा विद्यार्थियों को आशीर्वाद देने के लिए महाना तथा कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. वी. के. शर्मा, डीन छात्र कल्याण, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, विभिन्न विभागों के डीन तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

■ इससे पहले महाना तथा कुलपति द्वारा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा तथा संविधान स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, विद्यार्थी तथा शोधकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अध्यक्ष ने यह भी बताया कि किस तरह से अधिक से अधिक सुशिक्षित व्यक्ति राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्तमान विधानसभा में विधायकों के रूप में पीएचडी, डॉक्टर और प्रबंधन डिग्री धारकों जैसे पेशेवरों की संख्या के आंकड़े देते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि राजनीति का चेहरा तेजी से बदल रहा है।

मतदाता समझदार हो रहे हैं और विकास राजनीति का चर्चा का विषय बन गया है। महाना को उनकी यात्रा के लिए धन्यवाद देते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उनके द्वारा शुरू किए गए प्रयासों और पहलों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय किस तरह से मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छात्र-केंद्रित और छात्र-हितैषी दृष्टिकोण और परिसर में शिक्षा के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए अपने प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कुलपति ने महाना को अवगत कराया कि लखनऊ विश्वविद्यालय नई शैक्षिक नीति-2020 को लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की प्रभावशाली राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग इस विश्वविद्यालय के बढ़ते कद को दर्शाती है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

Anti-encroachment drive at LU

LUCKNOW: Lucknow University conducted an anti-enroachment drive on Wednesday, demolishing several unauthorized, self-constructed residential structures on vacant land near university buildings.

As per the university spokesperson, Durgesh Srivastava, these structures occupied the university's land for years. As part of the drive, the unauthorized structures were identified and the presently working employees were shifted to new residences while the unauthorized people were evicted. The razing of structures cleared up 1.35 lakh square feet of land.

TOI PAGE 2

Cultural, sports festival at LU

Nov 28, 2024, 05.07 AM IST

About 300 students participated in the Sanskriti Surabhi, the cultural and sports fest, at Lucknow University's second campus. The day began with a race competition, followed by debate, solo singing, duet dance, creative writing, football, and volleyball.